पाठ्यक्रम की परीक्षा योजना
प्रथम सेमेस्टर सत्र 2016–17 के लिए

विषय – चित्रण एवं चित्रकला

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक		न्यूनतम उत्तीर्णांक	
		सैध्दांतिक	सी. सी.ई	सैध्दान्तिक	सी.सी. ई
प्रथम	"भारतीय मूर्तिकला व स्थापत्य कला" (मातृका मूर्तियों की सभ्यता) (Indian Sculpture and Archrelecture) (Civilization of Matrka Sculptures)	85	15	28	05
द्वितीय	प्रायोगिक व्यक्ति चित्रण (पोर्टेट) (Portrait)	100			
तृतीय	प्रयोगिक चित्र संयोजन (Composition)	100			
चतुर्थ	प्रायोगिक दृश्य चित्रण (Creative Landscape)	100			

द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2016–17

प्रथम	यूरोप की चित्रकला (European Painting)	85	15	28	05
द्वितीय	व्यक्ति चित्रण (पोर्टेट) (Portrait)	100			
तृतीय	चित्र संयोजन (Composition)	100			
चतुर्थ	दृश्य चित्रण (Creative Landscape)	100			

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की परीक्षा योजना

तृतीय सेमेस्टर सत्र 2017–18 के लिए

विषय – चित्रण एवं चित्रकला

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	अधिकतम अंक		न्यूनतम उत्तीर्णांक	
		सैध्दांतिक	सी. सी.ई	सैध्दान्तिक	सी.सी. ई
प्रथम	पूर्व की चित्रकला का अध्ययन ''चीन की कला'' study of Eastern Painting(China Painting)	85	15	28	05
द्वितीय	यूरोप की आधुनिक चित्रकला (Modern Painting of Europe)	85	15	28	05
तृतीय	प्रायोगिक ''मानवाकृति चित्रण'' "Modern Painting of Europe"	100			
चतुर्थ	प्रायोगिक''चित्र संयोजन म्यूरल पेन्टिंग'' "Composition Mural Painting"	100			

चतुर्थ सेमेस्टर सत्र 2017–18

प्रथम	''कला समीक्षा एवं दर्शन'' ''Philosophy and crilicism of Art"	85	15	28	05
द्वितीय	पूर्व की चित्रकला (जापान एवं फारस की चित्रकला) " Eastern Painting" (Japan and Persian Painting)	85	15	28	05
तृतीय	प्रायोगिक ' मानवाकृति चित्रण' (Life Style)	100			
चतुर्थ	''चित्र संयोजन म्यूरल पेन्टिंग''	100			

	Composition Mural Painting				

चित्रण एवं चित्रकला एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
सत्र 2016–17

प्रश्नपत्र + सी.सी.ई.= 85 + 15

प्रश्नपत्र प्रथम सैध्दान्तिक भारतीय मूर्तिकला व स्थापत्यकला
(मातृका मूर्तियों की सभ्यता)

इकाई प्रथम सिंधुघाटी की सभ्यता की कला (हड़प्पन संस्कृति) ।
इकाई द्वितीय मौर्य, शुंग ।
इकाई तृतीय कुषाण, सातवाहन ।
इकाई चतुर्थ चंदेल । गुप्त वंश
इकाई पंचम उडीसा,(कलिंग)
प्रायोगिक – पोट्रेट (व्यक्ति चित्रण)
1/2 की पॉच शीट्स आवक्ष चित्रण ।
प्रायोगिक – चित्र संयोजन
22 30 चार व चार से अधिक मानव आकृतियॉ विषयानुरूप की 5 शीट व एक शीट समसामयिक चित्रण की प्रस्तुत की जाये ।
प्रयोगिक – दृश्य चित्रण (क्रियात्मक)
परिप्रेक्ष्य को विभिन्न तकनीक व विभिन्न सामग्रियों के माध्यम से दृश्यों का चित्रण किया जाये ।

अनुशंसित पुस्तकें

अविनाश बहादुर वर्मा	–	भारतीय मूर्तिकला
डॉ. रीता प्रताप	–	भारतीय मूर्तिकला का इतिहास
उपाध्याय	–	भारतीय मूर्तिकला की कहानी
उपाध्याय	–	प्राचीन भारतीय स्तूप एवं मन्दिर
जी.के. अग्रवाल	–	यूरोप की चित्रकला
बी.पी.कम्बोज	–	यूरोप की चित्रकला(प्राचीन एवं अर्वाचीन)
जी.के.अग्रवाल	–	आधुनिक यूरोपिय चित्रकला ।

चित्रण एवं चित्रकला एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
सत्र 2016–17

प्रश्नपत्र + सी.सी.ई.= 85 + 15

प्रश्नपत्र प्रथम सैध्दान्तिक यूरोप की चित्रकला

इकाई प्रथम प्रागेतिहासिक चित्रकला ।
मेसोपोटामिया व मिश्र की कला
इकाई द्वितीय शास्त्रीय कला (यूनान से रोम तक)

इकाई तृतीय — मध्यकाल पूर्व इसाईकला ।
बाइजेण्टाइन व रोमनस्क
इकाई चतुर्थ — गाोथिक पुनरूत्थान,चरम पुनरूत्थान व बरोक
इकाई पंचम — रोकोको, ब्रिटिश दृश्य चित्रण, यथार्थवाद
प्रायोगिक – प्रोट्रेट (व्यक्ति चित्रण)
1/2 की पॉच शीट्स आवक्ष चित्रण ।
प्रायोगिक – चित्र संयोजन
22 30 चार व चार से अधिक मानव आकृतियॉ विषयानुरूप की 5 शीट व एक शीट समसामयिक चित्रण की प्रस्तुत की जाये ।
प्रयोगिक – दृश्य चित्रण(कियात्मक)

नोटः– प्रत्येक सैध्दान्तिक 100 अंको का होगा । 85 अंक का प्रश्नपत्र, 15 अंकों का सी.सी.ई. होगा ।
2. प्रायोगिक – प्रथम – छः घण्टे प्रतिदिन दो दिन का होगा । (कुल– 12 घंटे) एवं द्वितीय – पूर्णांक 100 अंक ।
तृतीय प्रश्नपत्र – 4 घण्टे प्रतिदिन, दो दिन का होगा । (कुल – 8 घण्टे)पूर्णांक 100 अंक

चित्रण एवं चित्रकला एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
सत्र् 2016–17

प्रश्नपत्र + सी.सी.ई.= 85 + 15

प्रश्नपत्र प्रथम :– सैध्दान्तिक – पूर्व की चित्रकला का अध्ययन
चीन की कला (China Painting)

इकाई प्रथम :– चीनी चित्रकला का ऐतिहासिक परिचय ।
चीनी कला में दार्शनिक प्रभाव, चीन में प्रचलित विविध कला रूप, चीनी चित्रकला और बौध्दकला।
इकाई द्वितीय :– चीनी चित्रकला के षडंग, शांग काल की कला ।

इकाई तृतीय :– चाऊ राजवंश काल, चिन राजवंश काल ।

इकाई चतुर्थ :– ह्रान राजवंश काल, तीन राजवंश काल ।

इकाई पंचम :– छह राजवंश काल, सुई राजवंश एवं तांग राजवंश काल

अनुशंसित पुस्तकें :– गिरिराज किशोर अग्रवाल– ''चीनी चित्रकला''
डॉ. रीता प्रताप – ''सुदूरपूर्व की कला (चीन,जापान,फारस)

शची रानी गुर्टु – " विश्व की चित्रकला"
स्टैला कैमरिश – " एशिया की चित्रकला"

प्रश्नपत्र द्वितीय :– सैध्दान्तिक – यूरोप की आधुनिक चित्रकला

इकाई प्रथम :– यथार्थवाद ।

इकाई द्वितीय :– प्रभाववाद ।

इकाई तृतीय :– धनवाद ।

इकाई चतुर्थ :– अति–यथार्थवाद ।

इकाई पंचम :– अमूर्त कला । अभिव्यजना वाद ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

राजेन्द्र बाजपेयी :– यूरोपीय चित्रकला ।
आर.वी. सरवालकर :– आधुनिक चित्रकला,राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी प्रकाशन ।
जी.के.अग्रवाल :– यूरोपियन पेन्टीग ।

प्रश्नपत्र तृतीय :– प्रायोगिक – मानवाकृति चित्रण (Life study)

स्त्री और पुरूष के जीवित रूप (Life -model) का सवस्त्र एवं विवस्त्र विभिन्न मुद्राओं में , विभिन्न कोणों से जल पोस्टर या तेल–रंग के माध्यम से शरीर रचना अनुपात, रंगों के छाया प्रकाश के पुंजों का कियात्मक अध्ययन ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र :– कियात्मक

चित्र–संयोजन (composition mural painting) पूर्णांक 100

म्यूरल पेन्टिग :– ऐतिहासिक, पौराणिक अथवा सामाजिक जीवन से सम्बन्धित विषयों पर कम से कम पॉच आकृतियों को सम्मिलित करते हुए, जल रंग, पोस्टर रंग, ऐक्रेलिक रंग या तेल रंग तथा आधुनिक माध्यम से यथार्थवादी, अलंकारिक अथवा आधुनिक शैली में चित्र–संयोजन का कियात्मक अध्ययन । संयोजन–विवस्त्र और सवस्त्र स्त्री–पुरूषों के जीवन–अध्ययन और उनकी मुद्राओं के किया–कलापों का जीवित प्रदर्शन (Life -model) की सहायता से अभ्यास किया जावें ।

पार्श्व भूमि के लिये दृश्य–चित्रण और स्त्री–पुरूष की विभिन्न मुद्राओं के लिये कक्षा से बाहर अभ्यास ।
कियात्मक कार्यः–

कियात्मक अभ्यास :–

1) मानवाकृति चित्रण 04 शीट 22X30'' आकार की ।
साथ ही एक स्केच बुक । समय – 6 घण्टे प्रतिदिन दो दिन

2) चित्र संयोजन (म्युरल) 03 बोर्ड 3X2 फीट तथा 3X4 फीट के जमा करना ।
समय– 5 घण्टे प्रतिदिन तीन दिन
साथ ही एक स्केच बुक ।

स्वाध्यायी विद्यार्थी को सैध्दान्तिक परीक्षा से दो माह पूर्व सम्बध्द महाविद्यालय के चित्रकला–विभाग में अपना पंजीयन करवाना अनिवार्य है ।

समस्त प्रायोगिक कार्य विभागाध्यक्ष के मार्ग दर्शन में पूर्ण करने होंगे ।
पाठ्यकम नियमित एवं स्वाध्यायी छात्र/छात्राओं के लिए समान रूप से लागू होगा ।

चित्रण एवं चित्रकला एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र 2016–17

प्रश्नपत्र + सी.सी.ई.= 85 + 15

प्रश्नपत्र प्रथम :– सैध्दान्तिक कला समीक्षा एवं दर्शन

इकाई प्रथम – कला एवं कला की परिभाषाएं, भारतीय एवं यूरोपीय मत ।

इकाई द्वितीय – लोककला, कला और धर्म ।

इकाई तृतीय – कला और कल्पना, कला और अभिव्यक्ति ।

इकाई चतुर्थ – सौन्दर्य ।

इकाई पंचम – रस सिध्दान्त (भरतमुनि)

अनुशंसित पुस्तकें :–
रामचन्द्र शुक्ल :– कला के दर्शन ।
जी.के.अग्रवाल :– कला समीक्षा ।
चिरंजीलाल झा :– कला के दार्शनिक तत्व ।
रणवीर सक्सेना :– कला,सौन्दर्य और जीवन ।

डॉ. सरन सक्सेना एवं सुधा सरन :– कला सिध्दान्त और परम्परा ।

द्वितीय प्रश्नपत्र :– सैध्दान्तिक – पूर्व की चित्रकला (जापान एवं फारस की चित्रकला)

ईकाई प्रथम – जापानी चित्रकला का ऐतिहासिक विकारा । आसुका काल

इकाई द्वितीय – नारा काल,हियान काल ।

इकाई तृतीय – कामा कुशकाल, मोसोमाची या आशिकागा काल ।

इकाई चतुर्थ – फारस की कला की ऐतिहासिक एवं कलात्मक पृष्ठभूमि, फारस की कलात्मक उपलब्धियॉ ।

इकाई पंचम – मंगोल काल की कला, तैमूर काल की कला ।

अनुशंसित पुस्तकें :–
जी.के अग्रवाल – जापान की चित्रकला ।
जी.के अग्रवाल – ईरानी (फारस) चित्रकला ।
ममता चतुर्वेदी – फारस की चित्रकला ।
डॉ. रीता प्रताप – सुदुरपूर्व की कला (चीन,जापान, फारस)

तृतीय प्रश्न–पत्र :– प्रायोगिक पुर्णांक 100
मानवाकृति चित्रण (Life study)

स्त्री और पुरूष के जीवित रूप (Life model) का सवस्त्र और विवस्त्र विभिन्न मुद्राओं में, विभिन्न कोणों से जल रंग, तेल–रंग, पोस्टर रंग एवं एक्रेलिक रंगों द्वारा शरीर रचना अनुपात, रंगों के छाया–प्रकाश के पुंजो का क्रियात्मक अध्ययन ।

चतुर्थ प्रश्न–पत्र :– क्रियात्मक :– चित्र–संयोजन म्यूरल पेन्टिंग । पुर्णांक 100
(Composition Mural painting)

ऐतिहासिक, पौराणिक अथवा सामाजिक जीवन से सम्बन्धित विषयों पर कम से कम पॉच आकृतियों को सम्मिलित करते हुए, जल रंग, पोस्टर रंग, तैल रंग या ऐक्रेलिक रंगों द्वारा यथार्थवादी, अलंकारिक अथवा आधुनिक शैली में चित्र–संयोजन का क्रियात्मक अध्ययन ।

संयोजन विवस्त्र और सवस्त्र स्त्री–पुरूषों के जीवन अध्ययन और उनकी मुद्राओं के क्रिया–कलापों का जीवित प्रदर्शन (Life model)की सहायता से अभ्यास किया जावें

पार्श्व–भूमि के लिए दृश्य–चित्रण और स्त्री–पुरूष की विभिन्न मुद्राओं के लिए कक्षा से बाहर अभ्यास ।

क्रियात्मक कार्य :–

1) क्रियात्मक मानवाकृति–चित्रण के 04 शीट तथा 22X30"एक स्केच बुक अनिवार्य रूप से जमा करना ।

2) चित्र–संयोजन म्युरल 03 / बोर्ड 3X2 तथा 3X4 फीट के जमा करना ।
साथ ही एक स्केच बुक अनिवार्य रूप से जमा करना ।

नोटः– एम.ए चतुर्थ सेमेस्टर में प्रोजेक्ट / इन्टर्नशिप लागू होने पर पूर्णांक 100 अंको की होगी ।.....